ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५७
दिनांक- मंगलवार, २५ जुलाई, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.4 एवं 26.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 40.6 एवं दोपहर में 31.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नही हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(26–30 जुलाई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26–30 जुलाई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं। मानसून कमजोर बने रहने के कारण उत्तर बिहार में अच्छी वर्षा होने की सम्भावना बहुत कम है। अगले 3–4 दिनों के दौरान कहीं–कहीं हल्की वर्षा का अनुमान है। 30 जुलाई के आस पास तराई जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की से थोड़ी ज्यादा बर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना बहुत अच्छी नहीं है इसको देखते हुए एवं सिंचाई की उपलब्धता के अनुसार धान की रोपनी नीचली जमीन में करें। मध्यम अवधि की धान की किस्मों के लिए कदवा के समय 30 किलो ग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 40 किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए 25 किलो ग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोगाम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार निकालने का कार्य करें।
- ऊचास जमीन में खरीफ मूंग एवं उरद की बुआई करें। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए एच0यू0एम0–16 तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाष तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी 60 से0मी0 रखें। बीज दर 18 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ–1 अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दूरी 2.1 मीटर है एवं बौनी जातियों में 1.5 मीटर रखें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2–3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टर) का 500–600 लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
- कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें। खड़ी फसलों अथवा नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें।
- प्याज की पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए 40 प्रतिशत छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च–3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी0एस0एस0–267 अनुशंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर 1 से 1.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 200 से 300 ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–4 मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- आम के पौधों की उम्र (10 वर्ष से अधिक) के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुशंसित उर्वरको जैसे 15–20 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, 1. 25 किलोग्राम नेत्रजन, 300–400 ग्राम फॉसफोरस,1.0 किलोग्राम पोटाष, 50 ग्राम बोरेक्स तथा 15–20 ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आ सकें तथा उनका श्वास्थ अच्छा बना रहें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)